

CHAPTER LXIII.

In E there are three Chapters between the preceding (अञ्जलचरणं) and this (कुक्कुटलचरणं), viz. अञ्जलचरणं or Ch. LXVI. गजलचरणं or Ch. LXVII. and कूर्मलचरणं or Ch. LXIV.—1. A, S तु ऋजु.—A अंगुलिता०.—E वस्तुः for सितः—A, S राज्य, E राज.—2. D, N बद्धभिस्त्रापि, E बद्धभिस्त्रैव for बद्धभिर्यस्य.—S शस्तो ऽतो यो ऽन्यः, A om. अतो, D, N शस्तो यो ऽसो ऽन्यः—3. C कुर्कुटी, D पक्षिणी.—A, S रुचिरेक्षणानना.—A, S रुचिरं for सुचिरं, C the same in his text, but not in his comment.—The title of this Chapter in E is छकवाकुलचरणं, C writes कुक्कुटलचरणं.—The number of it in C is 59, in A, S 62, in B, D, N 63.

CHAPTER LXIV.

See remarks at the beginning of foregoing Chapter.—1. E स्फटिकसदृशवक्त्रो.—D, N स for च.—E स किल for सकल.—2. E श्यावतनुर्यो.—C, A, S शिरो.—3. S, E वैदूर्य.—E गूडस्त्रिचक्षा०.—S चानुवंश.—The number of this Chapter in C is 60, in A 63, in B, D, N 64, in S, E om.

CHAPTER LXV.

1. D, N ये for ते.—2. A, S, B, D, N ऋच, E दृष्टा for ऋष्य.—E इति for अपि, C, D, N अति.—3. A स्तनद्वगले ऽवलंबते, S स्तनस्य गले ऽवलंबते, B, D स्तन द्वगले ऽवलंबति यश्चागानां, E स्तनद्वगले मद्यश्चागानां.—A, S शुभहृद्.—E धन्यतरा.—C inserts at the end वस्तुः—4. A, S अर्द्धासिता.—5. C, E वांभो.—A, S विगाहते.—E सितवर्णा.—A टिल्लिका, B द्विकिका, D, N टिकिका, C छतिका or अ. छतिका, E om.—6. A शिरो.—E तिलपुष्प.—A, S श्वेतवर्ण for श्वेतचरण.—7. A, S गलकेन for पट्टेन, D, E पादेन.—A, S सशब्दे.—A, S वा for च स.—8. All but C ऋच for ऋष्य.—A, S सरोरुह.—9. A कंडूक for कुट्टक, E कटक.—A कुट्टिक for कुटिल.—10. N विहृत्त.—A, S ये वा.—The number of this Chapter in C is 61, in A 64, in B, D, N 65, in S, E om.

CHAPTER LXVI.

1. C, D कर्णौष्ठ, E कंठौष्ठ.—2. A अत्रपात.—E जानुषु.—C mentions a v. r. अलुमे for गुदे, and expl. it by गलसन्धिः—E (अ)थवा for तथा.—A ससर्व for सद्य.—C, B, D चरणे तथा, A, S चरणेषु वा.—3. S प्रयान, E प्राण, the others प्रपान.—A, and C in his text गम for गल.—E कंठ for कर्ण.—